अणुविभा जयपुर केन्द्र,

आचार्य तुलसी मार्ग, (गौरव टॉवर के सामने) मालवीय नगर, जयपुर-17
फोन : 91-141 **2724490**,

प्रेस विज्ञप्ति

''बुरा सम्प्रदाय नहीं साम्प्रदायिकता''

मुनिश्रीविनयकुमारजी 'आलोक'

जयपुर, 13 सितम्बर 09

जैन दर्शन में दो :ाब्द है स्वभाव और विभाव। स्वभाव में व्यक्ति जीता है तो वह साम्प्रदायिकता जातिवाद, चरित्रहीनता आदि से उपर उठता है सम्प्रदायिकता, जातियता, वैमनस्य घृणा वे ही व्यक्ति फैलाते है जो विभाव में जीते है। प्रत्येक व्यक्ति विभाव से दूर रहें स्वभाव में रहे तो कभी साम्प्रदायिकता जन्म नहीं ले सकती। सम्प्रदाय बुरा नहीं है साम्प्रदायिकता बुरी है। ये :ाब्द मुनिश्री ने अखिल भारतीय अणुव्रत उद्‌बोधन सप्ताह के समापन समारोह को सद्‌भावना दिवस के रूप में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' ने अणुविभा केन्द्र मलवीय नगर में समायोजित विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए कहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व उपराज्यपाल जस्टिस सुरेन्द्र भार्गव ने की। राजस्थान लोक आयोग के पूर्व चैयरमैन जे.एम.खान मुख्य अथिति थे तथा एम.एन.आई.टी के प्रो. मो. सलीम इन्जीनियर, फादर विजय कुमार सिविल लाईन चर्च के विशिश्ट अथिति के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में मद्रास, बैंगलोर, अहमदाबाद, सुरत, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, इन्दौर, मंडिया, जींद, सोनीपत आदि से कार्यक्रम में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

मुनिश्री ने आगे कहा :- धर्म कठघरों में बंध गया है मंदिर, मस्जीद, गुरूद्वारे, उपाश्रय, थानको में से धर्म को बाहर निकालना पड़ेगा। व्यक्ति की सोच को विकसित करना पड़ेगा तभी साम्प्रदायिकता पर काबू किया जा सकता है। साम्प्रदायिकता, जातीयता को बढ़ाने में धार्मिक लोगो के साथ-साथ राजनैतिक दलो का बड़ा हाथ है। वोट की राजनिति ने दलों को मुख्यता दी। और राश्ट्र गौण किया। राश्ट्र बचेगा तभी धर्म बचेगा, सम्प्रदाय बचेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जस्टिस सुरेन्द्र भार्गव ने कहा :- व्यवहार बदलेगा तो देश बदलेगा तो देश के हालात बदलेगें। जब तक व्यवहार को व्यक्ति नहीं बदलता है तब तक समाज में बदलाव नहीं आ सकता। महावीर के अनेकान्त और गुरूदेव तुलसी के अणुव्रत को स्वीकार कर लिया जाए तो साम्प्रदायिकता पर नियन्त्रण किया जा सकता है।

जे.एम.खान राजस्थान लोक आयोग के पूर्व चैयरमैन ने मुख्य अथिति के पद से बोलते हुए कहा :- आचार्य तुलसी ने विशमताओं को दूर करने के लिए अणुव्रत रूपी नया संदेश जनता को दिया। वे देश में पहले संत थे जिन्होंने सम्प्रदाय से उपर उठकर मानवीय मूल्यों की और जनता का ध्यान आकर्शित किया। उन्होंने जीवन भर :ाांती और भाईचारे का पैगाम देते रहें। यही धर्म का सार है।

प्रो. सलीम ने कहा :- राश्ट्र के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती है अनैतिकता की। बाहर और भीतर दोनों और व्यक्ति खोज प्रारम्भ करें तभी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। उन्होंने कहा ''तुम जमीन वालों पर रहम करों उपरवाला तुम्हारे उपर रहम करेगा''। आज देश आजाद नहीं गुलाम है। फादर विजय कुमार कहा :- प्रेम में दिखावा ज्यादा असलियत कम, प्रेम में स्वार्थ ज्यादा निस्वार्थभावना कम। मुनिश्री गिरीश कुमारजी ने गीत प्रस्तुत किया। अणुव्रत समिति के अध्यक्षा श्रीमती विमला दूगड़ ने स्वागत भाशण किया। श्रीमती सुमन बोरड़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मद्रास तेरापंथ सभा के अध्यक्ष श्री विजयकुमार सेठिया ने संस्था को धन्यवाद देते हुए इस भव्य समारोह में सम्मिलित होने पर प्रसन्नता जाहिर की। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती बांठिया ने किया अथितियों का स्वागत अणुव्रत समिति के पदाधिकारियों ने किया।

अणुविभा केन्द्र, जयपुर